**Title:** Urged the Government to provide 18 hours electricity to the handloom weavers in Uttar Pradesh.

**श्रीमती फूलन देवी (मिर्जापुर) :** हम तो जल्दी ही बोलते हैं। आपने समय दिया, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं बड़ी देर से इन्तजार कर रही थी। मैं अपने संसदीय क्षेत्र मिर्जापुर भदोही के बारे में कहना चाहती हूं, हमारा एक ब्लाक बनारस में भी आता है, लेकिन हमें बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे तीनों संसदीय क्षेत्रों में, तीनों जिलों में खाली हाथ का काम होता है। वहां बुनकर लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन वहां चार घंटे बिजली आती है, छः घंटे भी बुनकरों को बिजली नहीं दी जाती है। हमने उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार से मांग की थी कि कम से कम 18 घंटे उनको बिजली दी जानी चाहिए जो अपनी झोंपड़ी के अन्दर खड्डी लगाकर बुनाई करते हैं, ताकि वे 18 घंटे अपना काम कर सकें। लोग उसमें बारी-बारी से काम करते हैं, मां भी करती है, बाप भी करता है, बेटा भी करता है, कोई आदमी फालतू नहीं घूमता है, सब काम करते हैं। पर उनको इसके लिए कम से कम 18 घंटे बिजली चाहिए ताकि वे अपने भरण-पोषण के लिए, कम से कम अपनी खुराक के लिए तो काम कर सकें। अभी कालीन का काम भी मंदा है और साड़ियों का काम भी मंदा हो गया है। हर काम में उनको मजदूरी भी कम मिल रही है और उनको बिजली मिल नहीं रही है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह कहना चाहूंगी कि उत्तर प्रदेश के जो भी बिजली मंत्री हैं, उनको निर्देश दें कि बुनकरों को विशेष सुविधा के तहत 18 घंटे बिजली मिलनी चाहिए।